दिनांक: 12.06.2026

प्रेस विज्ञप्ति

आशा भोंसले के सदाबहार गीतों से सजी "अनोखी आशा", देर तक झूमते रहे श्रोता

मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक समिति द्वारा श्रद्धेय डॉ. गौर हरी सिंहानिया के जन्मदिवस के अवसर पर 10वर्षों से लगातार आयोजित संगीतमय संध्या इस वर्ष ग्यारहवें वर्ष में प्रवेश कर "अनोखी आशा" को श्रद्धा अर्पित करते हुए अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में स्वर सम्राज्ञी आशा भोंसले के सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को स्वर्णिम फिल्म संगीत युग की यादों में डुबो दिया।

इस सांस्कृतिक संध्या से पूर्व चिलचिलाती उमस भरी गर्मी में प्रातः 11बजे से सायंकाल 05:00बजे तक शरबतवितरण का आयोजन आमजन हेतु किया गया, जिसमें लगभग 3000 राहगीरों ने मीठे व ठंडे शरबत का आनंद लिया तथा चैम्बर की इस पुण्य कार्य के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. गौर हरी सिंघानिया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर श्री ए. के. सरावगी, श्री अनिल अग्रवाल, श्री नवीन खन्ना, डॉ. इंद्र मोहन रोहतगी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संध्या की विशेषता केवल गीतों की प्रस्तुति ही नहीं रही, बल्कि प्रत्येक गीत के साथ उससे जुड़े रोचक संस्मरणों, गीतकारों, संगीतकारों और फिल्मी पृष्ठभूमि की दिलचस्प जानकारी ने कार्यक्रम को एक अनूठी सांगीतिक स्मृति-यात्रा का स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन स्वतंत्र सिंह, चेयरमैन (सांस्कृतिक समिति) ने किया। उन्होंने अपनी विशिष्ट किस्सागोई शैली में आशा भोंसले के गीतों से जुड़े संस्मरणों, रोचक घटनाओं और संगीत इतिहास की झलकियों को प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं को पूरी संध्या बांधे रखा। उनके द्वारा गीतों के मध्य प्रस्तुत किए गए प्रसंगों ने कार्यक्रम को एक साधारण संगीत संध्या से आगे बढ़ाकर भावनात्मक एवं सांस्कृतिक अनुभव में परिवर्तित कर दिया।

गायन प्रस्तुतियों में सर्वश्री अरुण दास, समृद्धि, वर्षा दास, कपिल, दीपिका, अंजली, किंजल, देवेंद्र एवं शान्वी ने अपने मधुर स्वरों से श्रोताओं का मन मोह लिया। कलाकारों ने "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम", "दिल चीज़ क्या है", "आगे भी जाने ना तू", "ये रातें ये मौसम", "ओ हसीना ज़ुल्फों वाली" सहित अनेक लोकप्रिय गीतों की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ देकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रोताओं की उत्साही सहभागिता देखने को मिली। अनेक प्रस्तुतियों पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कानपुर शहर के उद्योग, व्यापार, शिक्षा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अंत में संयोजक इंद्र मोहन रोहतगी ने सांस्कृतिक समिति की ओर से सभी अतिथियों, कलाकारों एवं उपस्थित संगीत प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन आशा भोंसले के अमर संगीत को नमन तथा डॉ. गौर हरी सिंहानिया को भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ जे एन गुप्ता, आर के अग्रवाल, नवीन खन्ना, मुकुल टंडन, विजय पांडे, विश्वनाथ गुप्ता, श्याम मेहरोत्रा, टीकम चंद सेठिया, दीप गर्ग, डॉ. अवध प्रकाश दुबे, अनिल के सक्सेना, सुधीर सिंह, अमित कुमार तथा मर्चेंट्स चैम्बर के सदस्यगण तथा कानपुर के गणमान्य नागरिक सपरिवार उपस्थित रहे |